

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 19 दिसंबर, 2022

### वशिव अल्पसंख्यक अधिकार दविस

भारत समेत पूरे वशिव में जातीय अल्पसंख्यकों के लयि स्वतंत्रता और समानता के अधिकार को बनाए रखने तथा अल्पसंख्यकों के समान के प्रति जागरूकता पैदा करने के लयि प्रतविरष 18 दिसंबर को 'वशिव अल्पसंख्यक अधिकार दविस' के रूप में मनाया जाता है। यह दविस वभिन्न जातीय मूल के अल्पसंख्यक समुदायों के समकष आने वाली चुनौतियों और मुद्दों पर ध्यान केंद्रति करता है। वर्ष 1992 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा 18 दिसंबर को 'वशिव अल्पसंख्यक अधिकार दविस' के रूप में घोषति कया गया था। संयुक्त राष्ट्र की परभाषा के अनुसार, ऐसा समुदाय जसिका सामाजकि, आर्थकि तथा राजनीतकि रूप से कोई प्रभाव न हो और जसिकी आबादी नगण्य हो, उसे अल्पसंख्यक कहा जाएगा। भारतीय संवधान के अनुच्छेद 29, 30, 350A तथा 350B में 'अल्पसंख्यक' शब्द का प्रयोग कया गया है लेकनि इसकी परभाषा कहीं नहीं दी गई है। भारतके राज्य कषेत्र या उसके कसिी भाग के नवसिी नागरिकों के कसिी अनुभाग, जसिकी अपनी वशिव भाषा, लपि या संस्कृति है, को बनाए रखने का अधिकार होगा। संयुक्त राष्ट्र ने 18 दिसंबर, 1992 को धार्मकि या भाषायी राष्ट्रीय अथवा जातीय अल्पसंख्यकों से संबंधति व्यक्तिके अधिकारों पर वक्तव्य (Statement) को अपनाया था। भारत में इस दविस का आयोजन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग द्वारा कया जाता है। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना वर्ष 1992 में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधनियम के तहत केंद्र सरकार द्वारा की गई थी।

### अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दविस

18 दिसंबर को वशिव भर में 'अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दविस' मनाया जाता है। वशिव भर में प्रवासियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 में 18 दिसंबर को 'अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दविस' के रूप में नामति कया था। साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इसी दविस पर वर्ष 1990 में सभी प्रवासी कामगारों और उनके परिवारों के सदस्यों के अधिकारों के संरक्षण पर अंतरराष्ट्रीय अभिसमय को भी अपनाया गया था। राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो जून 2022 तक (जसिके लयि अंतिम डेटा उपलब्ध है) भारत छोड़ने वाले प्रवासियों की संख्या 1,89,000 है जसमें से आधे से अधिक बहिर और उत्तर प्रदेश के हैं। बहिर एवं उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की संयुक्त संख्या 98,321 थी। यद्यपि बहुत से लोग अपनी इच्छा से पलायन करते हैं, कति अधिकांश लोगों को आर्थकि चुनौतियों, प्राकृतिक आपदाओं, अत्यधिक गरीबी और संघर्ष जैसे कारणों के चलते मजबूर होकर पलायन करना पड़ता है। ज्ञात हो कि भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान को चहिनति करने के लयि प्रतविरष 9 जनवरी को 'प्रवासी भारतीय दविस' का आयोजन कया जाता है।

### गोवा मुक्त दविस

गोवा मुक्त दविस प्रति वर्ष '19 दिसंबर' को मनाया जाता है। हालाँकि भारत को 1947 में ही आज़ादी मलि गई थी लेकनि इसके 14 साल बाद भी गोवा पर पुर्तगाली अपना शासन जमाए बैठे थे। 19 दिसंबर, 1961 को भारतीय सेना ने ऑपरेशन वजिय अभियान शुरू कर गोवा, दमन और दीव को पुर्तगालियों के शासन से मुक्त कराया था। यह दिन उस अवसर को चहिनति करता है जब भारतीय सशस्त्र बलों ने वर्ष 1961 में 450 वर्षों के पुर्तगाली शासन से गोवा को मुक्त कराया था। वर्ष 1510 में पुर्तगालियों ने भारत के कई हसिसों को उपनिवेश बनाया लेकनि 19वीं शताब्दी के अंत तक भारत में पुर्तगाली उपनिवेश गोवा, दमन, दीव, दादरा, नगर हवेली और अंजेदवा द्वीप (गोवा का एक हसिसा) तक ही सीमति रहे। 15 अगस्त, 1947 को जैसे ही भारत को स्वतंत्रता मलि, भारत ने पुर्तगालियों से अपने कषेत्रों को सौंपने का अनुरोध कया लेकनि उन्होंने इनकार कर दिया था गोवा मुक्त आंदोलन छोटे पैमाने पर एक वदिरोह के रूप में शुरू हुआ लेकनि वर्ष 1940 से 1960 के बीच अपने चरम पर पहुँच गया। वर्ष 1961 में पुर्तगालियों के साथ राजनयकि प्रयासों की वफिलता के बाद भारत सरकार द्वारा ऑपरेशन वजिय चलाकर 19 दिसंबर को दमन और दीव तथा गोवा को भारतीय मुख्य भूमिके साथ मलि लया गया। 30 मई, 1987 को इस कषेत्र के वभिजन के साथ गोवा का गठन हुआ तथा दमन और दीव को केंद्रशासति प्रदेश बनाया गया। 30 मई को गोवा के स्थापना दविस (Statehood Day of Goa) के रूप में मनाया जाता है।